ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 19-12-2025

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-12-19 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-12-20	2025-12-21	2025-12-22	2025-12-23	2025-12-24
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	23.0	20.0	20.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	4.0	5.0	5.0	4.0	3.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	64	64	66	66	67
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	24	24	26	26	27
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	7	8	7	9
पवन दिशा (डिग्री)	65	58	59	66	62
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पांच दिनों तक मौसम शुष्क रहेगा। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 20.0-23.0 डिग्री सेल्सियस और 3.0-5.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हवा की गति उत्तर-पूर्व दिशा में 7.1-9.3 किमी प्रति घंटा के बीच रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 24-67 प्रतिशत के बीच रहेगी।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

 अगले 5 दिनों के लिए कोई मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

पिछले दिनों से लगातार शुष्क मौसम बना हुआ है और अगले पाँच दिनों तक भी मौसम शुष्क रहने की संभावना है। इससे मिट्टी में नमी की कमी, सिंचाई की बढ़ी हुई आवश्यकता तथा फसलों में कीट प्रकोप की संभावना बढ़ सकती है। अतः किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों में समय पर सिंचाई करें, सूखी घास या मल्चिंग सामग्री से फसलों को ढकें तथा फसलों की कीट हमले के लिए नियमित निगरानी करें।

सामान्य सलाहकार:

 किसानों को सलाह दी जाती है कि वे फसलों की सुरक्षा के लिए शाम के समय हल्की सिंचाई करें। सब्जी और फलों की नर्सरी को कम तापमान से बचाने के लिए पॉलीशीट या सरकंडा घास का प्रयोग करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेत में कीटों के हमले से बचने के लिए सब्जी की फसलों की नियमित निगरानी करें।

अगले दिन के मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए कीटनाशकों का छिड़काव करें।

लघु संदेश सलाहकार:

स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	खेत में समय-समय पर निराई-गुड़ाई करें। गेहूं की फसल में गुलाबी तना छेदक (Pink Stem Borer) के प्रकोप की नियमित रूप से निगरानी करें। आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना को ध्यान में रखते हुए, हल्की सिंचाई नियमित अंतराल पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	समशीतोष्ण फलदार वृक्षों में इस समय प्रशिक्षण (Training) एवं छंटाई (Pruning) के लिए उपयुक्त समय है। पुराने बागों में जहाँ पौधे मर गए हों, वहाँ गैप फिलिंग करें तथा नए बाग लगाने की तैयारी करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि कटाई या छंटाई के बाद शाखाओं के कटे हुए हिस्सों पर बोर्डो पेस्ट (Bordeaux Paste) 3 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से अच्छी तरह लगाएँ, ताकि किसी भी प्रकार के फफूँद (फंगल) संक्रमण से प्रभावी रूप से बचाव किया जा सके। ऊनी सेब माहू (Woolly Apple Aphid) की अवस्थिति पर निगरानी रखें। यदि शाखाओं पर इसका प्रकोप बना रहे, तो किसान क्लोरपाइरीफॉस (Chloropyriphos) 2 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। जड़ों के पास की मिट्टी (रूट बेसिन) में क्लोरपाइरीफॉस 4 मिली प्रति लीटर पानी की दर से सिंचाई (ड्रेन्चिंग) करें। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नमी संरक्षण के लिए फलों के पौधों के लिए बेसिन तैयार करें और सूखी घास बिछाएं।
मटर	किसानों को पौधों को सहारा देने की सलाह दी जाती है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नमी संरक्षण के लिए 5 से 10 सेमी के बीच घास की परत बिछाएं। फसल में पाउडरी मिल्ड्यू (चूर्णी फफूंद) रोग के प्रकोप पर नियमित निगरानी रखें, क्योंकि यह रोग प्रायः शुष्क व गर्म मौसम (20–30°C) तथा रात्रि के समय अधिक आर्द्रता की स्थिति में अधिक पनपता है।
गोभी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे एफिड (माहू) की आबादी पर नियमित निगरानी रखें और आवश्यकता होने पर नीम-आधारित घोल 2 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
लहसुन	आगामी दिनों में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए किसानों को फसलों में सिंचाई करने की सलाह दी जाती है। मिट्टी में पपड़ी बनने से रोकने और जड़ों के बेहतर विकास हेतु हल्की गुड़ाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं के दानेदार आहार में प्रतिदिन 50 ग्राम विटामिन ई मिलाएँ। पशुओं में अफारा रोग को नियंत्रित करने के लिए उन्हें सूखी और हरी घास का मिश्रण दें। किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि वे रात में बछड़ों को ठंड से बचाने के लिए उन्हें बोरियों से ढकें और दिन में थोड़ी धूप दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	प्राकृतिक खेती करने वाले किसान कीट-प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए अग्निस्त्र, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र और दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3% की दर से तथा जीवामृत का 10% की दर से नियमित रूप से साफ मौसम में छिड़काव करें। पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
	मल्च का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

पिछले दिनों से लगातार शुष्क मौसम बना हुआ है और अगले पाँच दिनों तक भी शुष्क रहने की संभावना है। इससे मिट्टी में नमी की कमी, सिंचाई की बढ़ी हुई आवश्यकता और फसलों में कीट प्रकोप की संभावना बढ़ सकती है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे समय पर सिंचाई करें, फसलों को सूखी घास से ढकें और कीट प्रकोप के लिए फसलों की नियमित निगरानी करें।

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details